

एक प्रकार की घास जिसका रंग नीला होता है  
4. अर्क पुष्पी।

**शीतलावाहन** पुं. (तत्.) 1. गधा, इसे शीतला देवी का वाहन भी कहा जाता है।

**शीतला-षष्ठी** स्त्री. (तत्.) 1. माघ माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी, जिस दिन शीतला देवी की पूजा की जाती है।

**शीतलाष्टमी** स्त्री. (तत्.) चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी, इस दिन भी शीतला देवी के पूजन की परंपरा मिलती है।

**शीतवीर्य** पुं. (तत्.) 1. पदुम काठ 2. एक वनस्पति जिसे पाषाण-भेद कहा जाता है 3. पित्त पापड़ा 4. पाकर वृक्ष 5. नीली दूब 6. बची 7. वि. ठंडी तासीर वाला पदार्थ, वह पदार्थ जो शरीर को ठंडक प्रदान करे।

**शीत-शिव** पुं. (तत्.) 1. सेंधा नमक 2. छरिला, पत्थर फूल 3. सोया-साग 4. शमी वृक्ष 5. कपूर।

**शीत शूक** पुं.सं. 1. जौ, यव।

**शीत संग्रह** पुं.सं. शीतल भंडार।

**शीतसन्निपात** पुं. (तत्.) एक प्रकार का सन्निपात जिसमें शरीर सुन्न और ठंडा हो जाता है।

**शीतसह** वि. (तत्.) जिसमें शीत, ठंड या सरदी सहने की विशेष क्षमता हो।

**शीतांग** पुं. (तत्.) शीतसन्निपात वि. ठंडे अंगों वाला।

**शीतांगी** स्त्री. (तत्.) हंसपदी लता।

**शीतांशु** पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

**शीता** स्त्री. (तत्.) 1. सरदी, ठंड 2. एक प्रकार की दूब 3. शिल्पिका नामक घास 4. अमलतास।

**शीतागार** पुं. (तत्.) शीतल भंडार, शीत भंडार-गृह।

**शीताग्र** पुं. (तत्.) किसी ओर से आने वाली शीतल वायु की धारा का वह अग्र भाग जो गरम वायु के सामने आ जाने के कारण कुछ नीचे दब जाता है और शीत की हल्की तह के रूप में

किसी प्रदेश के ऊपर से होता हुआ आगे बढ़ जाता है।

**शीतातप** पुं. (तत्.) शीत और आतप दोनों, सरदी और गरमी।

**शीताद** पुं. (तत्.) एक प्रकार का रोग जिसमें मसूड़ों से दुर्गंध निकलने लगती है।

**शीताद्रि** पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत।

**शीताभ** पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

**शीतार्त** वि. (तत्.) शीत से पीड़ित, शीत से संव्रस्त।

**शीतालु** वि. (तत्.) शीत से संव्रस्त, ठंड के कारण जो काँप रहा हो।

**शीतावास** पुं. (तत्.) एक छोटा तथा सुरक्षित ढाँचा या परत जो जीवों तथा पादपों को शीत से बचाती है।

**शीताश्म** पुं. (तत्.) चंद्रकांतमणि।

**शीतित** वि. (तत्.) जो ठंडा किया गया हो।

**शीतोदक** पुं. (तत्.) एक नरक का नाम।

**शीतोष्ण** वि. (तत्.) कुछ-कुछ ठंडा कुछ-कुछ गर्म।

**शीतोष्ण कटिबंध** पुं. (तत्.) भूमंडल का वह भाग जहाँ न बहुत अधिक ठंड होती है और न बहुत अधिक गरमी।

**शीन** वि. (तत्.) 1. जमा हुआ, गाढ़ा 2. मूर्ख पुं. अजगर पुं. (अर.) अरबी फारसी वर्णमाला का एक वर्ण जिसका उच्चारण तालव्य 'श' का सा होता है। उक्त वर्ण का सूचक लिपिचिह्न।

**शीया** पुं. (अर.) इस्लाम का एक उपसंप्रदाय जो ईरान, इराक और भारत में ही अधिक पाया जाता है।

**शीर** पुं. (फा.) क्षीर, दूध पुं. (तत्.) अजगर।

**शीरखिस्त** पुं. (फा.) एक प्रकार की यूनानी रेचक औषधि।

**शीरखोरा** वि. (फा.) शिशु जो अभी अपनी माँ का दूध पीता हो।